(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त अधिशासी अभियन्ता (उत्तरी खण्ड 3) अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का सम्बन्धित अधिकारियों के माध्यम से स्थानान्तरण करा देता है और यदि हां, तो गत छः महीनों के दौरान इस अभियन्ता की सिफारिश पर कराये गए स्थानान्तरणों से संबंधित ब्यौरा क्या है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलबीर सिंह) : (क) और (ख) इस मामले में एक शिकायत पर दिल्ली विकास प्राधिकरण जांच-पड़ताल कर रहा है। जांच पूरी हो जाने के पश्चात ही पूरे तथ्यों का पता चलेगा ;

(ग) जी नहीं। एक मण्डल के बन्द हो जाने के कारण कुछ स्टाफ सहित कार्य मण्डल संख्या 3 को स्थानान्तरित कर दिए थे।

Selection of Journalists by Prime Minister's Secretariat

2626. SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Prime Minister's Secretariat selected several Journalists for the Prime Minister's trip to China recently;

(b) if not, whether the Ministry of External Affairs were requested to select these Journalists;

(c) whether the Ministry of External Affairs were suggested to adhere to the guide-lines laid down by the Press Council of India in this regard;

(d) if not, the reasons therefor; and

(e) the names of the non—media men who accompanied the Prime Minister?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI H. K. L. BHAGAT): (a) and (b) The selection of Journalists for PM's China trip was made in the same manner as in the case of other such trips. The selection is made by the PMO in consultation with the Ministries of I&B and External affairs.

(c) and (d) The Press Council's guidelines for selection of Journalists on officially sponsored visits were forwarded to concerned Departments, including Ministry of External affairs, for such action as deemed appropriate. These guidelines are only advisory in nature and not mandatory. Moreover, tours undertaken by journalists with the Prime Minister do not fall under the category of officially sponsored visits.

(e) Apart from journalists, a documentary film team consisting of the following also accompanied the Prime Minister:

(i) Smt. Simrita Grewal
Siga Art International.

(ii) Shri Navroze Rustomji —do—

(iii) Shri C. V. Somashekhar —do—

दिल्ली विकास प्राधिकरण के खण्ड संख्या 3/4 में मरम्मत और अन्य कार्यों के लिए किया गया फर्जी भुगतान

2627. श्री सुब्रह्मण्यम स्वामी : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण के उत्तरी दिल्ली के खण्ड संख्या 3–4 के अधिशासी अभियन्ता और मुख्य अभियन्ता ने आपस में सांठ-गांठ करके सुल्तान पुरी, वजीरपुर और मंगोल पुरी जे०जे० कालोनियों में खड़ों के निर्माण सीवर लाइनों की सफाई आदि के नाम पर लाखों रुपये की राशि का फर्जी भुगतान कराया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इन सिविल कार्यों की कोई उच्च स्तरीय जांच कराई है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण के पूर्वी दिल्ली खण्ड संख्या 4, 5, 7, 8 और 12 के अधिशासी अभियन्ताओं ने केवल अपने चहेते ठेकेदारों को ही निविदायें जारी की है तथा उन्होंने बिना काम कराये उनके फर्जी बिलों के आधार पर करोड़ों रुपये की राशि के भुगतान की मंजूरी दी है और यदि हां, तो क्या उक्त अभियन्ताओं द्वारा ऐसे अनुचित तरीकों से अर्जित की गई सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई जांच कराये जाने की संभावना है और क्या उन्हें दण्ड दिया जायेगा यदि हां तो कब तक और यदि नहीं तो उसके क्या कारण है?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलवीर सिंह) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

(ग) जी, नहीं। निविदाएं व्यापक प्रचार के जरिये उपयुक्त श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की गई थी और न्यूनतम दरें उद्धत करने वाले ठेकेदारों को कार्य सौंपे गए थे। रख-रखाव मण्डलों के कार्यपालक इंजीनियरों को वर्क आर्डर जारी करने के लिए प्रतिवर्ष केवल 5 लाख रुपये तक व्यय मंजूरी देने की शक्तियां प्राप्त हैं।

उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए तथा किसी विशिष्ट अधिकारी के विरुद्ध किसी विशिष्ट शिकायत के अभाव में, किसी किस्म की जांच-पड़ताल कराने का प्रश्न ही नहीं उठता।

Unhygienic conditions of slaughter houses in the Capital

2628. SHRI SHAMIM HASHMI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the horrifying and unhygienic conditions prevailing in the slaughter houses in the capital;

(b) whether any recommendations had been received by Government from individuals/organisations to improve the situation which is posing serious health hazards to the area and to the consumer and if so, details thereof;

(c) whether Government are aware that these conditions can lead to the deadly Salmonella poisoning;

(d) whether there is any proposal to set up a committee of Government agencies and enlightened public health agencies to suggest ways to modernise the existing system of slaughter and there by to stop chances of spread of fatal diseases and pollution of the area; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI SHYAM LAL YADAV): (a) The present slaughter house at Idgah in Capital was constructed to cater the need of population of Delhi nearly ten decades before. With the growth in population, now it has to cater to the need of more number of people. As a result there is congestion of animals in the slaughter house.

(b) Suggestions have been received from individuals/organisations. They are for modernisation of slaughter houses.

(c) No such incident has come to the notice of the Government.

(d) and (e) There is no such proposal.

Unemployed textile workers due to closure of mills

2629. SHRI CHIMANBHAI MEHTA: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) what is the latest available figures of unemployed persons in India including educated unemployed;

(b) what is the figure of the textile workers in organised industries rendered unemployed because of the closure of the textile mills; and